e-ISSN: 2319-8753 | p-ISSN: 2347-6710

IJIRSET
International Journal of Innovative Research in
SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

Volume 11, Issue 11, November 2022

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

Impact Factor: 8.118

9940 572 462 | 6381 907 438 | ijirset@gmail.com | www.ijirset.com

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology (IJIRSET)

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.118|| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

||Volume 11, Issue 11, November 2022||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2022.111159 |

भादरा तहसील (जिला हनुमानगढ़) में जनसंख्या के व्यावसायिक संघटन का अध्ययन

सुशीला कुमारी : शोधार्थी, भूगोल विभाग, टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर (राजस्थान)

डॉ. श्याम सुंदर वर्मा : सह–आचार्य, भूगोल विभाग, टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर (राजस्थान)

सारांश

जनसंख्या किसी भी क्षेत्र के विकास हेतु एक अतिमहत्त्वपूर्ण संसाधन होती है तथा जनसांख्यिकी मानव जनसंख्या का सांख्यिकीय अध्ययन है। यह एक बहुत सामान्य विज्ञान हो सकता है जिसे किसी भी तरह की गतिशील मानव आबादी पर लागू किया जा सकता है, अर्थात् ऐसी आबादी जो समय और स्थान के साथ–साथ परिवर्तित होती है। इसमें जनसंख्या के आकार, संरचना और वितरण और जन्म, प्रवास, वृद्धि और मृत्यु के सन्दर्भ में स्थानिक और कालिक परिवर्तन का अध्ययन शामिल होता है। जनसांख्यिकीय विश्लेषण को शिक्षा, राष्ट्रीयता, धर्म और जातीयता जैसे मानदंडों के आधार पर विभाजित पूरे समाज पर या समूहों पर लागू किया जा सकता है। शिक्षण क्षेत्र में, जनसांख्यिकी को अक्सर समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र अथवा मानव–विज्ञान की एक शाखा के रूप में माना जाता है। औपचारिक जनसांख्यिकी के अध्ययन का लक्ष्य, जनसंख्या की प्रक्रियाओं के मापन तक सीमित है, जबकि सामाजिक जनसांख्यिकी जनसंख्या अध्ययन का अधिक व्यापक क्षेत्र, एक जनसंख्या को प्रभावित करने वाले आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और जैविक प्रक्रियाओं के बीच संबंधों का विश्लेषण करता है। व्यावसायिक संघटन का अर्थ किसी व्यक्ति के खेती, विनिर्माण व्यापार, सेवाओं अथवा किसी भी प्रकार की व्यावसायिक क्रियाओं में लगे होने से है जिससे उससे आर्थिक लाभ प्राप्त होता हैं। आर्थिक स्तर की दृष्टि से भारत की जनसंख्या को तीन वर्गों में बाँटा जाता है, जिनके नाम हैं– मुख्य श्रमिक, सीमांत श्रमिक और अश्रमिक। प्रस्तुत शोध–पत्र में हनुमानगढ़ जिले की भादरा तहसील में विभिन्न आर्थिक क्रियाकलापों में संलग्न जनसंख्या का व्यवसायनुसार अध्ययन प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है जिसके अंतर्गत तहसील में कुल जनसंख्या में कृषक, कृषि श्रमिक, घरेलू औद्योगिक श्रमिक एवं अन्य प्रकार के कार्यों में संलग्न श्रमिकों के प्रतिशत का विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है।

मूल बिंदु : व्यावसायिक संघटन, सामाजिक जनसांख्यिकी, कृषि श्रमिक, आर्थिक क्रियाऐं

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.118|| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

||Volume 11, Issue 11, November 2022||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2022.111159 |

परिचय :

अपने विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति करने हेतु तथा अपने जीवन यापन करने के लिए जनसमुदाय विभिन्न प्रकार के कार्यों में संलग्न रहता है वस्तुतः इसे ही जनसँख्या का व्यवसायिक संगठन कहा जाता है। सन् 2001 की जनगणना ने भारत की श्रमजीवी जनसंख्या को चार प्रमुख संवर्गों में बाँटा है, यथा काश्तकार, (कृषक), खेतिहर मजदूरी करने वाले, परिवारिक उद्योगों में कार्यरत एवं अन्य कार्यों में संलग्न जनसंख्या। भारत की जनसंख्या के व्यावसायिक संघटन का अध्ययन करने से पता चलता है कि यहाँ द्वितीयक और तृतीयक सेक्टरों की अपेक्षा प्राथमिक सेक्टर में लगे श्रमिकों की संख्या अधिक है। कुल श्रमजीवी जनसंख्या का लगभग 58.2 प्रतिशत कृषक व कृषि मजदूर हैं। जबकि केवल 4.2 प्रतिशत श्रमिक घरेलू उद्योगों में लगे हैं तथा 37.6 प्रतिशत अन्य श्रमिक हैं जो गैर–घरेलू उद्योगों, व्यापार, वाणिज्य, विनिर्माण, मरम्मत व अन्य सेवाओं में कार्यरत हैं। देश में पुरुष श्रमिकों की संख्या स्त्री श्रमिकों की संख्या से तीनों सेक्टरों में अधिक है। महिला श्रमिकों की संख्या प्राथमिक सेक्टर में अपेक्षाकृत अधिक है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि पिछले कुछ दशकों में भारत में कृषि सेक्टर के श्रमिकों के अनुपात में गिरावट दर्ज की जा रही है तथा द्वितीयक व तृतीयक सेक्टर में सहभागिता दर बढ़ी है। देश के विभिन्न सेक्टरों में श्रम सहभागिता दर में स्थानिक भिन्नता भी देखने को मिलती है, जैसे हिमाचल प्रदेश व नागालैंड में कृषकों की संख्या अधिक है, वहीं आंध्रप्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, झारखंड, पश्चिम बंगाल तथा मध्य प्रदेश में कृषि मजदूरों की संख्या अधिक है। जबकि नगरीकृत क्षेत्रों में श्रमिकों का बहुत बड़ा अनुपात अन्य सेवाओं में संलग्न है। भारत में द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्र की अपेक्षा प्राथमिक क्षेत्र में अधिक श्रमिक कार्यरत हैं।

उद्देश्य :

प्रस्तुत शोध–पत्र के निम्न उद्देश्य है–

- भादरा तहसील में जनसंख्या के व्यावसायिक संगठन का विश्लेषण करना।
- तहसील में कुल जनसंख्या में कृषि कार्यों में संलग्न जनसंख्या के प्रतिशत का विश्लेषण करना।
- तहसील में कुल जनसंख्या में कृषि श्रमिकों के प्रतिशत का विश्लेषण करना।
- अन्य प्रकार के कार्यों में संलग्न जनसंख्या के प्रतिशत का विश्लेषण करना।

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.118|| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

||Volume 11, Issue 11, November 2022||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2022.111159 |

आंकड़ो के स्त्रोत :

प्रस्तुत शोध पत्र द्वितीयक आंकड़ों के आधार पर तैयार किया गया है। द्वितीयक आंकड़ो का संग्रहण विभिन्न प्रकार की सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओ द्वारा प्रकाशित रेपोट्र्स, पुस्तकों आदि के माध्यम से किया गया है। इस हेतु जिले के विभिन्न कार्यालयो यथा, सांख्यिकीय कार्यालय, जिला हनुमानगढ़, तहसील कार्यालय, भादरा आदि के माध्यम से आंकड़ो का संकलन किया गया है। आवश्यकता अनुरूप ऑनलाइन स्रोतों से भी भादरा तहसील से संबन्धित सूचनाओ का संकलन कर शोध–पत्र लेखन मे सहायता ली गयी है।

साहित्य पुनरावलोकन :

1. Mohammed I. H. (2005) " Population Geography" – इस पुस्तक में लेखक ने जनसंख्या से जुड़े भौगोलिक आंकडें चयनित रूप से देने का प्रयास किया हैं। जिसमें आयु, लिंगानुपात, साक्षरता, वैवाहिक स्तर, जन्म–मृत्यु एवं पलायन को शामिल किया है। प्रत्येक विषय पर चर्चा पृथक रूप से वैश्विक परिदृश्य को ध्यान में रखकर की गई है और भारत के साथ इसका सहसम्बन्ध करने का प्रयास किया गया है। इस पुस्तक को 2 अध्यायों में विभाजित किया गया है। जिनके नाम क्रमशः जनसंख्या नीतीयां एवं जनसंख्या विकास है।
2. Allan M. Findlay (2007)" Population Geography" – इस पुस्तक में लेखक का प्रमुख उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को जनसंख्या भूगोल के परिचित करवाना है। जनसंख्या का अध्ययन एक बहुआयामी अध्ययन है। इसीलिए लेखक द्वारा पुस्तक में जनसंख्या सम्बन्धी समस्त संकल्पनाओं को काफी बेहतर तरीके से विश्लेषित किया किया गया है।
3. S. A. Qazi and Shabir (2009)" Qazi Population Geography" – यह पुस्तक 14 अध्यायों में विभाजित है। इस पुस्तक में लेखक का उद्देश्य वर्तमान समय में जनसंख्या के बीच वृहत अन्तर को समझात हुए बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न विभिन्न समस्याओं को विश्लेषित कर उनके समाधान हेतु उपाय खोजना है। लेखक स्वयं जनसंख्या के सामाजिक, आर्थिक एवं स्थानिक तथ्यों के बारे में महत्व पूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाने की आवश्यकता महसूस करता है। इस पुस्तक में लेखक ने जनसंख्या प्रवृति को नवीन तरीके से समझाने का प्रयास किया है।
4. घोष बी. एन. (2012) ने अपनी पुस्तक फंडामेंटल ऑफ़ पापुलेशन ज्योग्राफी में शहरों में प्रदूषण बढ़ने का कारण जनसंख्या को मना है इसके अध्ययन के अनुसार क्षेत्र में जनसँख्या बढ़ने पर खाद्यान की समस्या आती है एवं पर्यावरण प्रदूषण भी बढ़ता है।

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.118|| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

||Volume 11, Issue 11, November 2022||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2022.111159 |

अध्ययन क्षेत्र :

राजस्थान राज्य के उत्तरी छोर पर स्थित हनुमानगढ़ जिला राज्य के 33 जिलों में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखने के साथ ही साथ राज्य की अर्थव्यवस्था में भी विशिष्ट स्थान रखता है। हनुमानगढ़ जिले की कुल सात तहसीलों में से जिले की भादरा तहसील को प्रस्तावित शोध के अध्ययन क्षेत्र के रूप में चुना गया है। भादरा तहसील हनुमानगढ़ जिले के पूर्वी भाग में स्थित है। अवस्थिति के दृष्टिकोण से देखे तो भादरा तहसील 29° 07' 12.00'' उत्तरी अक्षांश से 75° 10' 12.00'' पूर्वी देशान्तरों के मध्य अवस्थित है। यह तहसील पश्चिम में जिले की नोहर तहसील द्वारा, दक्षिण में चूरू जिले द्वारा, तथा उत्तर एवं पूर्व में हरियाणा राज्य द्वारा सीमांकित है। 2011 के आंकड़ों के अनुसार भादरा तहसील का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 173690 हेक्टेयर है। वर्ष 2011 जनगणना के आकंड़ो अनुसार तहसील में कुल ग्राम पंचायतों की संख्या 49 थी तथा तहसील में कुल ग्रामों की संख्या 215 थी। जिसमे से आबाद ग्रामों की संख्या 203 थी एवं गैर आबाद ग्रामों की संख्या 13 थी। वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार भादरा तहसील की कुल जनसँख्या 290318 थी जिनमे पुरुष एवं महिलाओं की संख्या क्रमशः 152066 एवं 138252 थी। 2011 के आंकड़ों के अनुसार तहसील में जनसँख्या घनत्व 167 पाया गया था जबकि तहसील में लिंगानुपात 909 पाया गया था। जनसँख्या के आंकड़ों को भादरा शहर के संदर्भ में देखें तो ज्ञात होता है की वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भादरा शहर में कुल जनसँख्या 40662 पायी गयी थी जिसमे पुरुषों की संख्या 21215 एवं महिलाओं की संख्या 19447 थी। भादरा शहर में जनसँख्या घनत्व 16265 पाया गया था जबकि भादरा शहर में लिंगानुपात 917 पाया गया था। तहसील में अनुसूचित जाती वर्ग की जनसँख्या का आंकलन करे तो ज्ञात होता है की वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार तहसील में अनुसूचित जाती की कुल जनसँख्या 61234 थी एवं अनुसूचित जनजाति की जनसँख्या 2328 थी इस वर्ष तहसील में ग्रामीण एवं नगरीय जनसँख्या क्रमशः 249656 एवं 40662 थी। तहसील क्षेत्र में वर्षा का वार्षिक औसत 33.60 सेन्टीमीटर के लगभग रहता है तहसील में मानसूनी जाती है शीत ऋतु में तापमान माईनस में चला जाता है वही ग्रीष्म ऋतु में अधिकतम तापमान 50 डिग्री सेंटीग्रेट तक पाया जाता है।

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.118|| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

||Volume 11, Issue 11, November 2022||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2022.111159 |

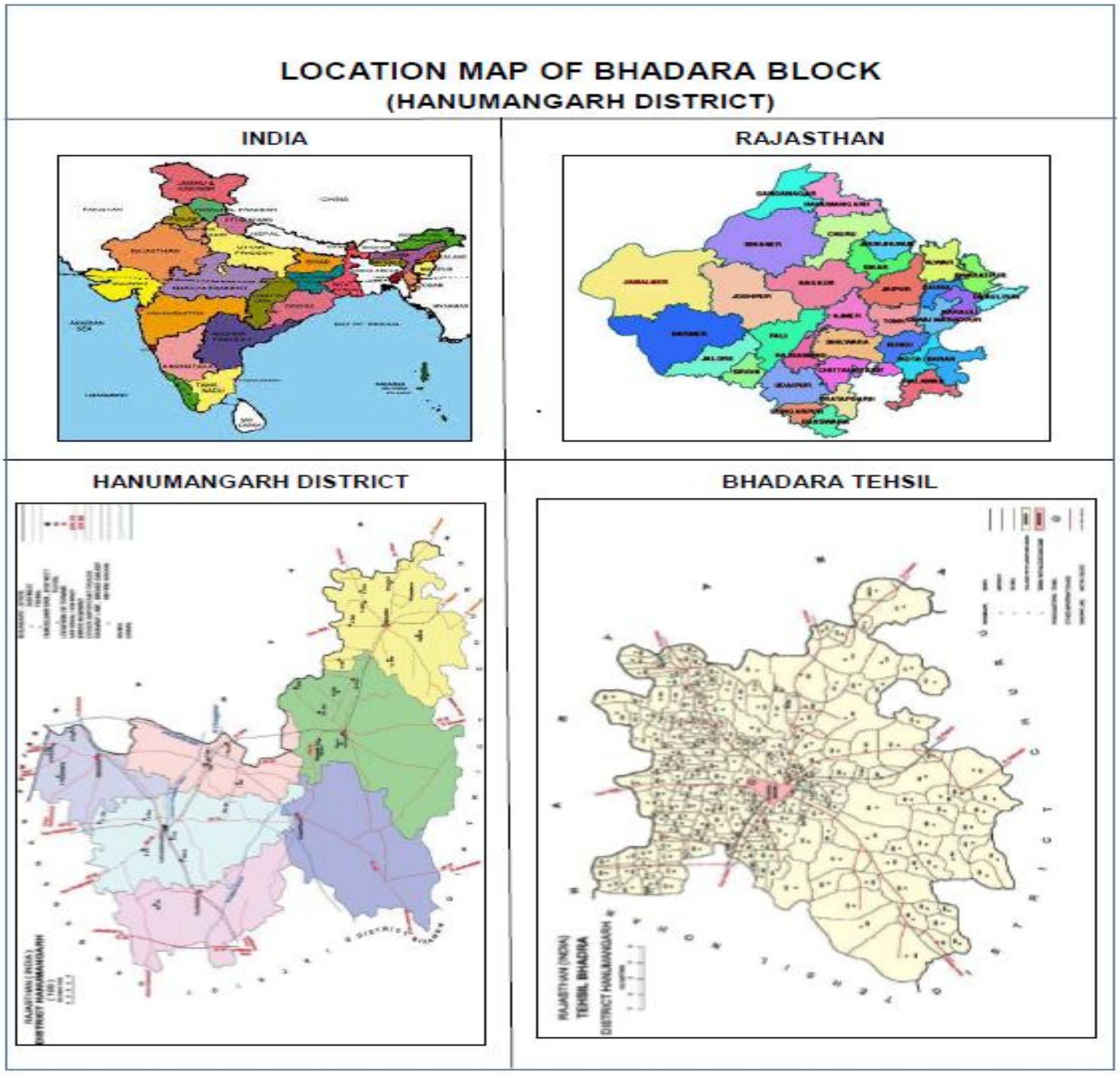

व्यवसायों के अनुसार जनसँख्या का वितरण :

भादरा तहसील मे व्यवसाय के अनुसार जनसंख्या का वर्गीकरण निम्न चार श्रेणियों के अंतर्गत किया जा सकता है—

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.118|| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

||Volume 11, Issue 11, November 2022||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2022.111159 |

काश्तकार :

भादरा तहसील मे काश्तकारी का कार्य प्रमुखता से किया जाता है। तहसील मे काश्तकारी के व्यवसाय मे संलग्न जनसंख्या के आंकड़ो को देखें तो तालिका संख्या 01 के अध्ययन से ज्ञात होता है की तहसील मे वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ो के अनुसार तहसील मे काश्तकारी मे संलग्न कुल लोगो की संख्या 92913 है। इसी प्रकार काश्तकारी मे संलग्न जनसंख्या को ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या के संदर्भ मे देखें तो तालिका के अध्ययन से ज्ञात होता है की भादरा तहसील मे ग्रामीण क्षेत्रों मे काश्तकारी मे संलग्न कुल पुरुषों की संख्या 48735 है जबकि ग्रामीण क्षेत्रों मे स्त्रियों की संख्या 42802 है। इसी प्रकार तहसील मे नगरीय क्षेत्रों मे काश्तकारी मे संलग्न पुरुषों की कुल संख्या 1054 है जबकि नगरीय क्षेत्रों मे कुल 322 स्त्रियाँ काश्तकारी के कार्य मे संलग्न है।

खेतिहर मजदूर :

काश्तकारी के पश्चात ग्रामीण क्षेत्रों मे खेतिहर मजदूरी का कार्य जनसमुदाय द्वारा प्रमुखता से किया जाता है अर्थात भादरा तहसील की जनसंख्या के द्वारा किया जाने वाला यह दूसरा महत्वपूर्ण कार्य है। भादरा तहसील मे खेतिहर मजदूरी के कार्य मे संलग्न लोगों की संख्या के आंकड़ो को देखें तो तालिका के अध्ययन से ज्ञात हो जाता है की वर्ष 2011 के आंकड़ो के अनुसार तहसील मे खेतिहर मजदूरी के कार्य मे संलग्न कूल पुरुषों की संख्या 8838 थी जबकि स्त्रियों की संख्या 6931 थी। तालिका के अध्ययन से यह भी स्पष्ट हो जाता है की तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों मे खेतिहर मजदूरी करने वाले पुरुषों की कुल संख्या 7972 है जबकि नगरीय क्षेत्रों मे यह संख्या केवल 866 है। इसी प्रकार यदि इस संख्या को स्त्रियों के संदर्भ मे देखें तो हम पाते है की तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों मे कुल 6637 स्त्रियाँ खेतिहर मजदूरी का कार्य करती है जबकि नगरीय क्षेत्रों मे यह संख्या 294 पायी गयी है।

तालिका संख्या 01
भादरा तहसील में व्यवसायानुसार जनसंख्या का वितरण–2011

(संख्या)

क्षेत्र	काश्तकार		खेतीहर मजदूर		परिवारिक उद्योग		अन्य कार्य करने वाले	
	पुरूष	स्त्री	पुरूष	स्त्री	पुरूष	स्त्री	पुरूष	स्त्री
ग्रामीण	48735	42802	7972	6637	782	1015	14229	9148
नगरीय	1054	322	866	294	307	172	8380	1001
योग	49789	43124	8838	6931	1089	1187	22609	10149

स्रोत : ब्लॉक सांख्यिकीय रूपरेखा, भादरा, 2021

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology (IJIRSET)

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.118|| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

||Volume 11, Issue 11, November 2022||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2022.111159 |

आरेख संख्या 01

भादरा तहसील में व्यवसायानुसार जनसंख्या का वितरण–2011

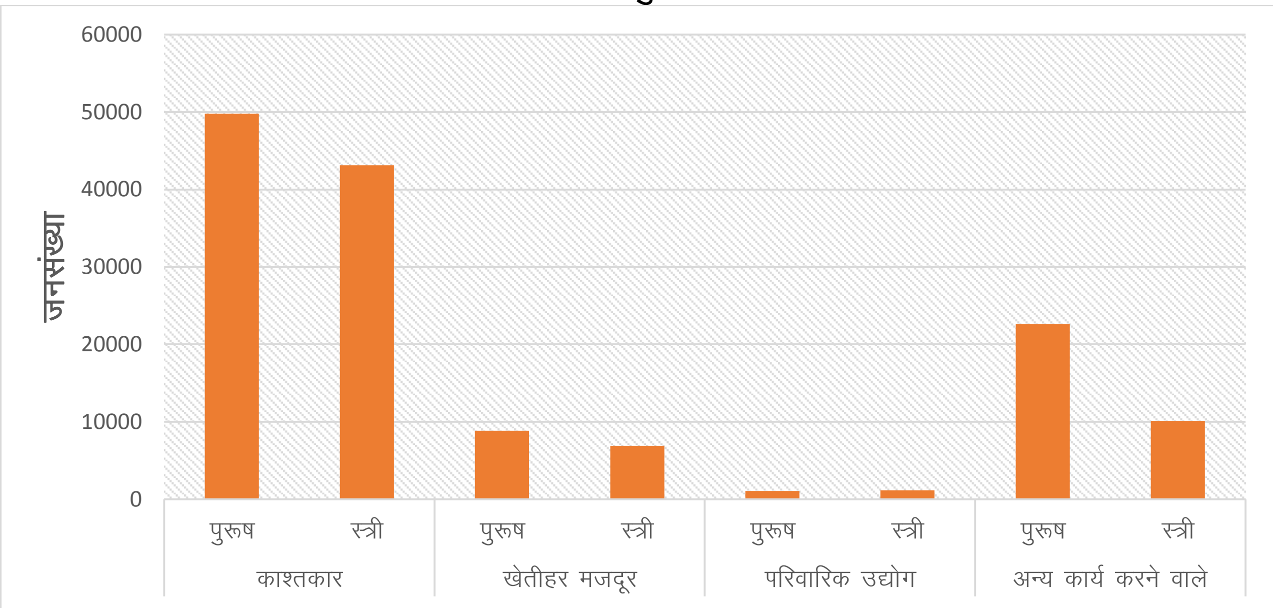

पारिवारिक उद्योगों मे कार्यरत :

उपरोक्त दो प्रकार के कार्यों के अलावा तहसील मे तीसरा प्रमुख वर्ग ऐसे व्यक्तियों का है जो अपने परंपरागत एवं पारिवारिक चले आ रहे उद्योगों में कार्यरत है। भादरा तहसील मे इस प्रकार के कार्य मे संलग्न जनसंख्या के आंकड़ो को देखे तो तालिका के अध्ययन से ज्ञात होता है की वर्ष 2011 के आंकडों अनुसार तहसील मे इस प्रकार के पारिवारिक उद्योगों मे संलग्न कुल पुरुषों की संख्या 1089 पायी गयी है जबकि इस संदर्भ मे स्त्रियों की संख्या पुरुषों से ज्यादा 1187 पायी गयी है। इसी प्रकार इस संख्या को यदि तहसील के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के संदर्भ मे देखें तो तालिका के अध्ययन से ज्ञात होता है कि तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों मे पारिवारिक उद्योगों मे कार्यरत कुल पुरुषों की संख्या 782 पायी गयी है जबकि तहसील के नगरीय क्षेत्रों मे यह संख्या 307 पायी गयी है। इसके विपरीत तहसील मे पारिवारिक उद्योगों मे संलग्न स्त्रियों की संख्या पुरुषों की तुलना मे अधीक पायी गयी है। तालिका के अध्ययन से ज्ञात होता है की तहसील मे ग्रामीण क्षेत्रों मे इस व्यवसाय मे संलग्न स्त्रियों की संख्या 1015 पायी गयी है जो की इस क्षेत्र मे पुरुषों की संख्या से काफी अधीक है, जबकि नगरीय क्षेत्रों मे यह संख्या केवल 172 पायी गयी है।

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.118|| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

||Volume 11, Issue 11, November 2022||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2022.111159 |

तालिका संख्या 02

भादरा तहसील में व्यवसायानुसार जनसंख्या का वितरण–2011 (प्रतिशत)

क्षेत्र	काश्तकार		खेतीहर मजदूर		परिवारिक उद्योग		अन्य कार्य करने वाले	
	पुरूष	स्त्री	पुरूष	स्त्री	पुरूष	स्त्री	पुरूष	स्त्री
ग्रामीण	67.95	71.81	11.11	11.13	1.09	1.70	19.84	15.34
नगरीय	9.93	17.99	8.16	16.43	2.89	9.61	79.00	55.95
योग	60.47	70.24	10.73	11.28	1.32	1.93	27.46	16.53

स्रोत : ब्लॉक सांख्यिकीय रूपरेखा, भादरा, 2021

अन्य कार्य करने वाले :

उपरोक्त तीनों प्रकार के कार्यों को छोड़कर बाकी अन्य प्रकार के कार्य करने वाले जनसमूह को इस वर्ग के अंतर्गत रखा गया है। प्राप्त आंकड़ो पर दृष्टि डालें तो ज्ञात होता है की भादरा तहसील मे अन्य कार्य करने वाले कुल पुरुषों की संख्या 22609 पायी गयी है, जबकि तहसील मे कुल 10149 स्त्रियाँ अन्य प्रकार के कार्यों मे संलग्न पायी गयी है। यदि इन आंकड़ो तो तहसील के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के संदर्भ मे विश्लेषित करें तो तालिका के अध्ययन से ज्ञात होता है की तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों मे इस प्रकार के कार्यों मे संलग्न कुल पुरुषों की संख्या 14299 पायी गयी है जबकि तहसील के नगरीय क्षेत्रों मे यह संख्या 8380 पायी गयी है। इसी प्रकार अन्य कार्य करने वाली स्त्रियों की संख्या को देखें तो तालिका के अध्ययन से ज्ञात होता है की तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों मे अन्य कार्यों मे संलग्न स्त्रियों की कुल संख्या 9148 पायी गयी है जबकि तहसील के नगरीय क्षेत्रों मे यह संख्या 1001 पायी गयी है।

निष्कर्ष :

उपरोक्त अध्ययन के उपरांत यह ज्ञात होता है की भादरा तहसील में जनसंख्या के व्यावसायिक संगठन में क्षेत्र के अनुरूप भिन्नता देखने को मिलती है। विभिन्न आर्थिक क्रियाओं के आधार पर तहसील की जनसंख्या का विश्लेषण करने पर ज्ञात हुआ है की तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में काश्तकारों की संख्या सर्वाधिक पायी गयी है जबकि नगरीय क्षेत्रों में तुलनात्मक रूप से अन्य कार्यों में संलग्न जनसंख्या का प्रतिशत अधिक पाया गया है। तहसील में जनसंख्या के व्यावसायिक संगठन के संदर्भ मे एक अन्य महत्वपूर्ण तथ्य यह भी ज्ञात हुआ है की सभी प्रकार की आर्थिक क्रियायों में तहसील में कार्यशील स्त्रियों का सर्वाधिक प्रतिशत भी तहसील के ग्रामीण क्षेत्रों में पाया गया है एवं नगरीय क्षेत्रों में यह प्रतिशत काफी कम पाया गया है।

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 8.118|| A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

||Volume 11, Issue 11, November 2022||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2022.111159 |

References:

1. Census Handbook, Hanumangarh District.
2. Central Groundwater Board (1995): Groundwater Resources of India, New Delhi, Flood Risk Zoning Using Satellite Based Remote Sensing, Ministry of Water Resources, New Delhi, 2002.
3. Hanumangarh District Gazetteer.
4. https://agriculture.rajasthan.gov.in/content/agriculture/en/Agriculture-Department-dep.html
5. https://hi.wikipedia.org/wiki
6. Jetske A, Bauma and Christopher A. Scott (2006) : "The possibilities for dryland crop yield improvement in India's Semi arid regions observations from the field" International water management institute Colombo, Sri Lanka CA Case Study 3.
7. Jha, H.A. (2001) "Peasent's view of peasant life and its categories" Indian social science review 3 (1) : 101
8. Khan Y. (1994) "Relationship between rainfall and bazra yield in Rajasthan" Geographical aspects 4:70
9. Kurhekar, J.V. (2004) : "Comparative study of soils with reference to the effect of agro-chemicals: A case study Indian Journal of Environment and Ecoplaning, 8 (3) : 753-756
10. Sharma, K.K. (1972) : District Gazetteer Sri Ganganagar District, Jaipur. Districts Gazetteer of Rajasthan.
11. Singh Jasbir (1974-75) An Agricultural Atlas of India : A Geographical Analysis Visual publication, Kurukshetra (Haryana- India) P-74
12. Statistical Abstract of Bhadara Tehsil, 2021
13. Statistical Abstract of Hanumanharh District , 2021

INNO SPACE
SJIF Scientific Journal Impact Factor
Impact Factor: 8.118

doi crossref

ISSN INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

निस्केयर NISCAIR

INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

9940 572 462 6381 907 438 ijirset@gmail.com

Scan to save the contact details